मूल हिंदी में

भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1505

12.02.2026 को उत्तर के लिए

चीतों की निगरानी और ट्रैकिंग

1505. श्री नीरज डांगी :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) चीतों के बार-बार अभयारण्यों से बाहर जाने के क्या कारण हैं और क्या यह पर्यावास संबंधी समस्याओं, शिकार की उपलब्धता या प्रबंधन की कमियों के कारण हो रहा है;

(ख) क्या चीतों की निगरानी और ट्रैकिंग प्रणाली प्रभावी ढंग से काम नहीं कर रही है, और यदि हां, तो इसकी दक्षता में सुधार के लिए कौन-कौन से ठोस कदम उठाए गए हैं;

(ग) चीता प्रोजेक्ट की शुरुआत से अब तक चीतों की दर्ज की गई मौतों की संख्या कितनी है और इस प्रोजेक्ट पर अब तक खर्च की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है; और

(घ) चीतों के अभयारण्यों से बाहर जाने के करण मानव-वन्यजीव संघर्ष बढ़ने की आशंका को देखते हुए सरकार की क्या रणनीति है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री

(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

क. चीते एक व्यापक क्षेत्र में रहने वाली प्रजाति होने के कारण, अपने प्राकृतिक अन्वेषण व्यवहार के कारण अस्थायी रूप से अपने पर्यावास क्षेत्र से बाहर निकल जाते हैं। यह जानवर की स्वाभाविक प्रकृति के कारण होता है और उन्हें शिकार, जल स्रोत तथा सुरक्षित पर्यावास खोजने में सहायता करता है।

ख. भारत में चीतों की निगरानी और ट्रैकिंग प्रणाली प्रभावी रूप से कार्य कर रही है और इससे चीतों की गतिविधि की पारिस्थितिकी, उनके पर्यावास की सीमा और क्षेत्र के आकार के साथ-साथ इस संबंध में भी महत्वपूर्ण जानकारी मिलती है कि इस प्रजाति ने भारतीय परिस्थितियों से किस प्रकार अनुकूलन किया है।

ग. चीतों की मृत्यु प्राकृतिक और पारिस्थितिक कारकों के मिश्रित कारणों से होती है। मजबूत प्रबंधन प्रणाली लागू होने के बावजूद, नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से भारत लाए गए कुल 9 चीतों की मृत्यु हो चुकी है, जबकि भारत में जन्मे 12 शावकों की भी विभिन्न कारणों से मृत्यु हुई है।

वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक के लिए चल रही केंद्रीय प्रायोजित योजना के अंतर्गत चीता को भारत लाने की परियोजना हेतु 38.70 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं।

घ. मवेशियों या अन्य पालतू पशुओं की किसी भी हानि के लिए मुआवजा शीघ्र प्रदान किया जाता है। अब तक चीतों के कारण किसी मानव के घायल होने या मृत्यु की कोई घटना रिपोर्ट नहीं मिली है।

****